>

Title: Regarding alleged use of force by police on Siksha Mitra Activists in Bihar.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, आज मैं देश के सर्व-शिक्षा अभियान की तरफ, एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। आज भारत के सर्व-शिक्षा अभियान के तहत देश में बुनियादी शिक्षा, प्राइमरी एजुकेशन के लिए 70 प्रतिशत केन्द्र सरकार पोषित कर रही है और 30 प्रतिशत पैसा राज्यों द्वारा दिया जा रहा है। मान्यवर, इसके अन्तर्गत प्रदेशों में शिक्षा मित्रों की भी नियुक्ति हो रही है। आज इस बात से शैलेन्द्र जी भी सहमत होंगे कि आज प्रदेश के तमाम शिक्षा मित्र, जो स्कूलों में हैं, वही आज प्राइमरी एजुकेशन के लिए बैकबोन हैं। इनकी संख्या एक लाख पचहत्तर हजार है। आज उन्हें मानदेय के रूप में 3,500 रूपए मिल रहे हैं। पिछले दिनों वे लोग इकट्ठा हुए थे। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री ने 7,300 रूपए की रिकमेंडेशन भेजी है, इसे भारत सरकार स्वीकृत कर ले। आज 3,500 रूपए अगर किसी टीचर को मिल रहा है, तो उससे ज्यादा मनरेगा के मजदूर को मिल रहा है। निश्चित तौर पर आज देश में शिक्षकों की स्थिति ऐसी हो गयी है, गुरू गोबिन्द दोऊ खड़े, काके लागूँ पाँए बलिहारी गुरू आपने, गोबिन्द दियो बताये। शिक्षक को हम गुरू का दर्जा देते हैं और गोबिंद यानी ईश्वर से भी ज्यादा बड़ा मानते हैं। आज वह शिक्षक 3,500 रूपए मानदेय में उत्तर प्रदेश में पढ़ा रहा है।

MR. CHAIRMAN : What do you want? You come to the point. Other Members are waiting. You please come to the point.

श्री जगदम्बिका पाल : मैं यह चाहता हूं कि आज पूरे देश में सर्वशिक्षा अभियान में निश्चित तौर से जो शिक्षा मित्र हैं, उनका जो 7,300 रूपए मानदेय का जो प्रस्ताव आया है, उसे केंद्र सरकार एप्रूव करे। मैं समझता हूं कि शिक्षा मित्रों की जो अर्हता रखते हों, उनको रेग्युलर शिक्षक बनाने की कार्रवाई की जाए। इसकी पहल भी राज्य सरकारों ने की है। दूसरे लोग जो ऐसे हैं, ...(व्यवधान) अगर उनको टीचर के रूप में रखा जाए, तो मैं आपका आभारी रहूंगा।

MR. CHAIRMAN: Shri Shailendra Kumar and

Shri Ramkishun are allowed to associate with the matter raised by Shri Jagdambika Pal.